अणुविभा जयपुर केन्द्र,

आचार्य तुलसी मार्ग, (गौरव टॉवर के सामने) मालवीय नगर, जयपुर-17
फोन : 91-141 **2724490**,

प्रेस विज्ञप्ति

''अणुव्रत दिवस पर श्री अरूण दूगड़ का सम्मान''

जयपुर, 25 अक्टूबर 09

जो व्यक्ति जागरूकता के साथ समाज कार्यो को सम्पादित करता है वह सभी के लिए अनुकरणीय बन जाता है। श्री अरूण दूगड़ ने अपनी कार्यशैली, पुरूषार्थ व व्यक्तित्व से समाज में ऐसी छाप छोड़ी है जो सभी के लिए अनुकरणीय है।

ये विचार आज अणुविभा केन्द्र, मालवीय नगर में मुनिश्री विनयकुमार जी आलोक ने अणुव्रत दिवस पर पूर्व महानिदेशक पुलिस श्री अरूण दूगड़ के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम मे व्यक्त किये। मुनिश्री ने आगे कहा व्यक्ति का कोई मूल्य नहीं होता मूल्य कतृत्व का होता है जिस व्यक्ति ने साहस, पुरूशार्थ व बुद्धिबल वही व्यक्ति समाज सेवा में संलग्न हो सकता है। भाई अरूण दूगड़ में ये तीनो सूत्र मूर्तरूप है। उन्होंने अपने पुरूशार्थ के बल पर अपने आप को आगे बढ़ाया और कतृत्व के बल पर समाज में स्थान बनाया और बुद्धि के बल से प्रशासन में अनेक ऐसे निर्णय लिए जो दूरगामी परिणाम दे रहें है। श्री दूगड़ आचार्य तुलसी के परम उपासक थे। अणुव्रत के निश्ठाशील बनकर अणुविभा केन्द्र जैसी प्रवृत्ति को सुसंचालित किया एक नहीं ऐसे अनेक लोग समाज में आगे आयेंगे तब समाज का निर्माण होगा।

अणुविभा केन्द्र, जयपुर के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र बरड़िया, महामंत्री श्री ओमप्रकाश जैन सहित विभिन्न पदाधिकारियों ने श्री दूगड़ को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह तथा शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने श्री दूगड़ को साहित्य भेंट कर सम्मान किया।

समाज की विभिन्न संस्थाओं ने श्री अरूण दूगड़ के व्यक्तित्व व कार्यशैली की प्रशंसा की। इस अवसर पर मुनिश्री गिरीशकुमार, अणुविभा केन्द्र के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र बरड़िया, महामंत्री श्री ओमप्रकाश जैन, श्री राजकुमार बरड़िया, श्री रवि बोरड़, श्री निर्मल जैन, श्री राजेन्द्र बांठिया, श्री दौलत डागा, श्रीमती आशा पनगढ़िया, श्री पन्नालाल बैद, श्री मनीष बोरड़, श्रीमती विमला दूगड, श्री अनिल सालेचा, श्री नरेश मेहता, श्री दीपचन्द डागा, श्री महेन्द्र जैन, श्री रजनिकान्त भाई, श्रीमती सुशीला नखत, श्रीमती राजश्री कुंडलिया, श्रीमती सौभाग बैद आदि अनेक वक्ताओं ने श्री दूगड़ के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। श्रीमती रिटा आच्छा ने मंगला चरण किया। कार्यक्रम में चैनई, गुडियातम, अहमदाबाद, चंडीगढ़, रायपुर आदि क्षेत्रों के लोग उपस्थित थे।

श्री अरूण दूगड़ ने समाज से मिले सहयोग व स्नेह को परिभाशित करते हुए कहा व्यक्ति का मूल्य नहीं मूल्य समाज का होता है। मेरे जीवन निर्माण में माता-पिता के अलावा गुरूदेव तुलसी, आचार्यश्री महाप्रज्ञजी का महत्पूर्ण योगदान रहा है। मुनिश्री विनयकुमारजी 'आलोक' तथा ओमप्रकाश जैन की प्रेरणा से संघ के साथ जुड़ा और मैंने अपनी हसियत से कार्य किया और परिणाम आप सबके सामने है। मैंने मेरे जीवन में एक ही संकल्प लिया किसी बड़े से बड़े प्रलोभन में भी अपने आप को अडिग रख सकूं। कार्यक्रम का संचालन श्री पन्नालाल पुगलिया ने किया।

अणुविभा केन्द्र, जयपुर